राष्ट्रीय वैज्ञानिक हिन्दी वेबिनार

मछुआरों के विकास में समुद्री मात्स्यिकी जनगणना का महत्व

National Scientific Hindi Webinar on

Importance of Marine Fisheries Census in Fisher Development

13 अगस्त, 2025

भा कृ अनु प - केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार
कोच्ची - 682 018, केरल, भारत

‘मछुआरों के विकास में समुद्री मात्स्यिकी जनगणना का महत्व’ विषय पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक हिन्दी वेबिनार

भारत में समुद्री मात्स्यिकी जनगणना सतत विकास, प्रभावी नीति-निर्माण और तटीय मछुआरा समुदायों के कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह मछली पकड़ने वाले परिवारों, नावों, उपकरणों और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों पर सटीक और व्यापक डेटा प्रदान करती है, जिससे सरकार लक्षित योजनाएँ बना सकती है और सब्सिडी, बीमा तथा आपदा राहत को प्रभावी ढंग से वितरित कर सकती है। भा कृ अनु प-केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आइ) नौ तटीय राज्यों में समुद्री जनगणना की योजना, क्रियान्वयन और विश्लेषण के लिए ज़िम्मेदार वैज्ञानिक नोडल एजेंसी है। समुद्री मात्स्यिकी जनगणना (एम एफ सी)-2025, जो कि पाँचवीं ऐसी जनगणना है, पूरे भारत में आयोजित की जा रही है। इसका समन्वय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य पालन विभाग (डी ओ एफ) द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत किया जा रहा है। यह प्रत्येक समुद्री मछुआरा परिवार मत्स्यन गाँव, नौकाएँ, उपकरण और बंदरगाहों तथा अवतरण केन्द्रों से जुड़ी अवसंरचनाओं का विस्तृत, सटीक और समयबद्ध दस्तावेजीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है। इस जनगणना का उद्देश्य समुद्री मात्स्यिकी क्षेत्र के सतत विकास और प्रशासन के लिए सटीक और समय पर डेटा उपलब्ध कराना है, जो दस लाख से अधिक परिवारों को सहायता प्रदान करता है। नए प्रौद्योगिकियों को हाज़िल करते हुए, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ द्वारा विकसित VyAS-NAV मोबाइल और टैबलेट आधारित एप्लिकेशन आदि के माध्यम से डेटा संग्रह किया जाएगा, ताकि मैनुअल त्रुटियों को कम किया जा सके और नीति-स्तरीय उपयोग के लिए डेटा संकलन में तेज़ी लाई जा सके।

समुद्री मात्स्यिकी जनगणना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी मछुआरा परिवार पीछे न छूटे, और विकसित भारत (Viksit Bharat) के स्तंभों में जो कि समावेशी विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, डिजिटल सशक्तीकरण और आत्मनिर्भर समुदायों की दिशा में सीधा योगदान देती है। यह जनगणना मत्स्यन दबाव की निगरानी और संसाधन संरक्षण का मार्गदर्शन करके समुद्री जैव विविधता के सतत प्रबंधन का भी समर्थन करती है। इसके अतिरिक्त, यह मछली पकड़ने की तकनीकों के आधुनिकीकरण, अवसंरचना विकास और भारत की नीली अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी योगदान देती है, जिससे करोड़ों लोगों की आजीविका सुरक्षित होती है। समुद्री मात्स्यिकी जनगणना तटीय क्षेत्रों में समान और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरती है। यह आय, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी की पहुँच में मौजूद अंतर को पहचानने में मदद करती है, जिससे नीली अर्थव्यवस्था, तटीय लचीलापन और ग्रामीण समृद्धि के लक्ष्यों के अनुरूप लक्षित हस्तक्षेप संभव हो पाते हैं। इस परिदृश्य में ‘मछुआरों के विकास में समुद्री मात्स्यिकी जनगणना का महत्व’ विषय पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक हिन्दी वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

National Scientific Hindi Webinar on ‘Importance of Marine Fisheries Census in Fisher Development’

The Marine Fisheries Census in India is crucial for ensuring sustainable development, effective policy planning, and welfare of the coastal fisher communities. It provides accurate and comprehensive data on fishing households, boats, gears, and socio-economic conditions, enabling the government to design targeted schemes and distribute subsidies, insurance, and disaster relief effectively. The ICAR-Central Marine Fisheries Research Institute (CMFRI) is the nodal scientific agency responsible for the planning, execution, and analysis of the marine census in nine coastal states. The Marine Fisheries Census (MFC) -2025, which is the fifth such census, is being conducted across India. This is coordinated by the Department of Fisheries (DoF) of the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying under the Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana. It focuses on the exhaustive, precise, and timely documentation of every marine fisher family, fishing village, fishing craft and gear, as well as infrastructure facilities associated with fishing harbours and fish landing centres across the country. The census aims to provide accurate and timely data for sustainable development and governance of the marine fisheries sector, which supports over a million families. Involving new technologies, customized mobile and tablet-based applications named VyAS-NAV App created by ICAR-CMFRI etc. will be used for data collection in a bid to reduce manual errors and accelerate data compilation for policy-level use.

Marine Fisheries Census ensures that no fisher family is left behind, contributing directly to the pillars of Viksit Bharat—inclusive growth, environmental sustainability, digital empowerment, and self-reliant communities. The census also supports the sustainable management of marine biodiversity by monitoring fishing pressure and guiding resource conservation. Additionally, it aids in infrastructure development, modernization of fishing practices, and boosts India’s Blue Economy by safeguarding the livelihoods of millions dependent on marine fisheries. The Marine Fisheries Census emerges as a key enabler of equitable and sustainable development in coastal areas. By identifying gaps in income, education, health, and access to technology, the census enables targeted interventions aligned with the goals of Blue Economy, coastal resilience, and rural prosperity. Hence it has been decided to conduct a National Webinar in Hindi on the topic- Importance of Marine Fisheries Census in Fisher Development.

प्रस्तुतीकरण के मुख्य विषय / Thematic areas for deliberations

- समुद्री मात्स्यिकी जनगणना का तटीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रभाव
- Impact of Marine Fisheries Census on the socio-economic status of coastal communities

- समुद्री मात्स्यिकी जनगणनाः सतत मात्स्यिकी विविधीकरण और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के आकलन का आधार
- The Marine Fisheries Census : A Cornerstone for Sustainable Fisheries Diversification and Coastal Ecosystem Assessment

- जलवायु परिवर्तन और समुद्री मात्स्यिकी जनगणनाः प्रभाव और अनुकूलन रणनीतियाँ
- Climate change and Marine Fisheries Census: Impacts and adaptation strategies

- महिला मछुआरों की सशक्तीकरण भूमिका की पहचान और आजीविका संवर्धनः एक जनगणना आधारित दृष्टिकोण
- Empowering Marine Fisherwomen : A Census – Based Approach to Role Recognition and Livelihood Enhancement

- नीली अर्थव्यवस्था (Blue Economy) और मात्स्यिकी जनगणना का आपसी संबंध
- Interrelationship between Blue Economy and Fisheries Census

प्रस्तुतीकरण का तरीका / Mode of presentation:

ऑनलाइन ज़ूम माध्यम से, सभी पंजीकृत सहभागियों को लिंक प्रदान किया जाएगा।
Online - through Zoom platform, Link will be provided to all registered participants.

तारीख / Date:

13 अगस्त 2025

सहभागिता / Participation:

समुद्री मात्स्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक / तकनीकी कार्मिक एवं अनुसंधानकार / Scientists / Technical Staff and Researchers working in the field of Marine Fisheries.

प्रस्तुतीकरण की अवधि / Duration of Presentation :

लेख अधिकतम **5** मिनट के अंदर प्रस्तुत किया जा सकता है /
Presentations may be made in Hindi within the time limit of maximum 5 minutes.

पंजीकरण / Registration :

लेख का सार हिन्दी में दिनांक 14.07.2025 को या इससे पहले hindicmfri@gmail.com पर भेज दिया जाए। पंजीकरण के लिए यहाँ क्लिक करें। / Abstract in Hindi may be sent to hindicmfri@gmail.com on or before 14.07.2025. For registrations click here. https://forms.gle/1DssFUyuZisJ47e57

कार्यक्रम निदेशक / Programme Director:
डॉ. ग्रिन्सण जॉर्ज / Dr. Grinson George
निदेशक, भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ / Director, ICAR-CMFRI

मुख्य विशेषज्ञ / Key Resource Person:
डॉ. जे. जयशंकर / Dr. J. Jayasankar
प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष,
मात्स्यिकी संसाधन, निर्धारण, अर्थव्यवस्था और विस्तार प्रभाग
Principal Scientist & Head, FRAEED

संयोजक / Moderator:
डॉ. श्याम एस. सलीम / Dr. Shyam S. Salim
प्रधान वैज्ञानिक / Principal Scientist
एफ आर ए ई ई डी / FRAEED

प्रतिवेदक / Rapporteur:
डॉ. मिरियम पॉल श्रीराम / Dr. Miriam Paul Sreeram
प्रधान वैज्ञानिक / Principal Scientist
एम बी ई एम डी / MBEMD

राजभाषा एकक / Official Language Unit
श्री हरीश नायर / Shri Hareesh Nair
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (व. ग्रे.) एवं प्रभारी अधिकारी (रा भा)
Chief Administrative Officer (S.G.) & Officer –in – Charge (OL)

पत्राचार का पता / Address for correspondence:
डॉ. जे. जयशंकर / Dr. J. Jayasankar
प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष,
मात्स्यिकी संसाधन, निर्धारण, अर्थव्यवस्था और विस्तार प्रभाग
Principal Scientist & Head, FRAEED
भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ / ICAR-CMFRI,
पी.बी.सं. / P.B.No.1603, एरणाकुलम / Ernakulam,
कोच्ची / Kochi – 682 018, केरल / Kerala
दूरभाष / Phone: 0484 2394867, Extn. 233
ई-मेल / E-mail: jjsankar@icar.org.in